मूलभूत चरण के लिये राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा

प्रिलिम्स के लिये:

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा, NEP, शिक्षा का अधिकार

मेन्स के लिये:

भारत में शिक्षा प्रणाली और संबंधित मुद्दे, NEP 2020

चर्चा में क्यों?

हाल ही शिक्षा मंत्रालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत **मूलभूत चरण में अध्ययन-शिक्षण सामग्री लॉन्च** की और इस अवसर पर जादुई पिटारा पेश किया गया

- अक्तूबर 2022 में शिक्षा मंत्रालय ने 3-8 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों की मूलभूत शिक्षा के लिये राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF-FS) शुरू की।

जादुई पिटारा:

- जादुई पिटारा 3-8 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों के लिये तैयार एक **खेल आधारित अध्ययन-शिक्षण सामग्री** है।
- इसमें प्लेबुक, खिलौने, पहेलियाँ, पोस्टर, फ्लैश कार्ड, स्टोरी बुक्स, वर्कशीट के साथ-साथ स्थानीय संस्कृति, सामाजिक संदर्भ को दर्शाया गया है, साथ ही भाषा के प्रति जिज्ञासा बढ़ाने एवं मूलभूत चरण में शिक्षार्थियों की विविध आवश्यकताओं को समायोजित करने के लिये डिज़ाइन किया गया है।
- जादुई पिटारा को **राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (National Curriculum Framework- NCF)** के तहत विकसित किया गया है और यह 13 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है।
- इसका उद्देश्य अध्ययन-शिक्षण हेतु उपयुक्त वातावरण तैयार करना और इसे अमृत पीढ़ी के लिये अधिक बाल-केंद्रित, जीवंत एवं आनंदायक बनाना है जैसा कि NEP 2020 में कल्पना की गई है।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF):

- **परिचय:**
  - राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, NEP 2020 के प्रमुख घटकों में से एक है, जो NEP 2020 के उद्देश्यों, सिद्धांतों और दृष्टिकोण के अनुरूप बदलाव लाने में सक्षम है।
- **NCF के चार खंड:**
  - स्कूली शिक्षा के लिये NCF
  - बचपन की देखभाल और शिक्षा के लिये NCF(आधारभूत चरण)
  - शिक्षक शिक्षा हेतु NCF
  - प्रौढ़ शिक्षा हेतु NCF
- **NCFFS:**
  - NEP 2020 के विज़न के आधार पर बुनियादी चरण हेतु NCF (NCFFS) विकसित किया गया है।
    - बुनियादी चरण भारत में विविध संस्थानों की पूरी शृंखला में **3 से 8 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों को संदर्भित करता है।**
  - यह NEP 2020 की परिकल्पना के अनुसार स्कूली शिक्षा के 5+3+3+4 पाठ्यचर्या और शैक्षणिक पुनर्गठन का पहला चरण है।
  - NCFFS को **NCERT द्वारा राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ ज़मीनी स्तर तथा विभिन्न संस्थानों एवं संगठनों के साथ एक व्यापक परामर्श** प्रक्रिया के माध्यम से विकसित किया गया है।
- **उद्देश्य:**

- इसका उद्देश्य भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली में सकारात्मक बदलाव लाने में मदद करना है, जैसा कि NEP 2020 में **शिक्षाशास्त्र सहित पाठ्यक्रम में सकारात्मक बदलावों की परिकल्पना की गई थी।**
- साथ ही भारत के संविधान द्वारा परिकल्पित एक समान, समावेशी और बहुल समाज को साकार करने के उद्देश्य के अनुरूप सभी बच्चों हेतु उच्चतम गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करना है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

- **परिचय:**
  - NEP 2020 **भारत में शिक्षा सुधार हेतु एक व्यापक रूपरेखा** है जिसे वर्ष 2020 में अनुमोदित किया गया था, जिसका उद्देश्य शिक्षा के लिये समग्र और **बहु-विषयक दृष्टिकोण प्रदान कर भारत की शिक्षा प्रणाली में महत्त्वपूर्ण बदलाव लाना है।**
- **NEP 2020 की विशेषताएँ:**
  - प्राथमिक स्कूली शिक्षा से माध्यमिक स्तर तक शिक्षा का सार्वभौमीकरण।
  - छात्रों के **संज्ञानात्मक और सामाजिक-भावनात्मक विकास** पर आधारित एक नई शैक्षणिक एवं पाठ्यचर्या संरचना का परिचय।
  - प्राथमिक शिक्षा में **मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक कौशल** के विकास पर ज़ोर।
  - शिक्षा में अनुसंधान और विकास पर अधिक ध्यान।

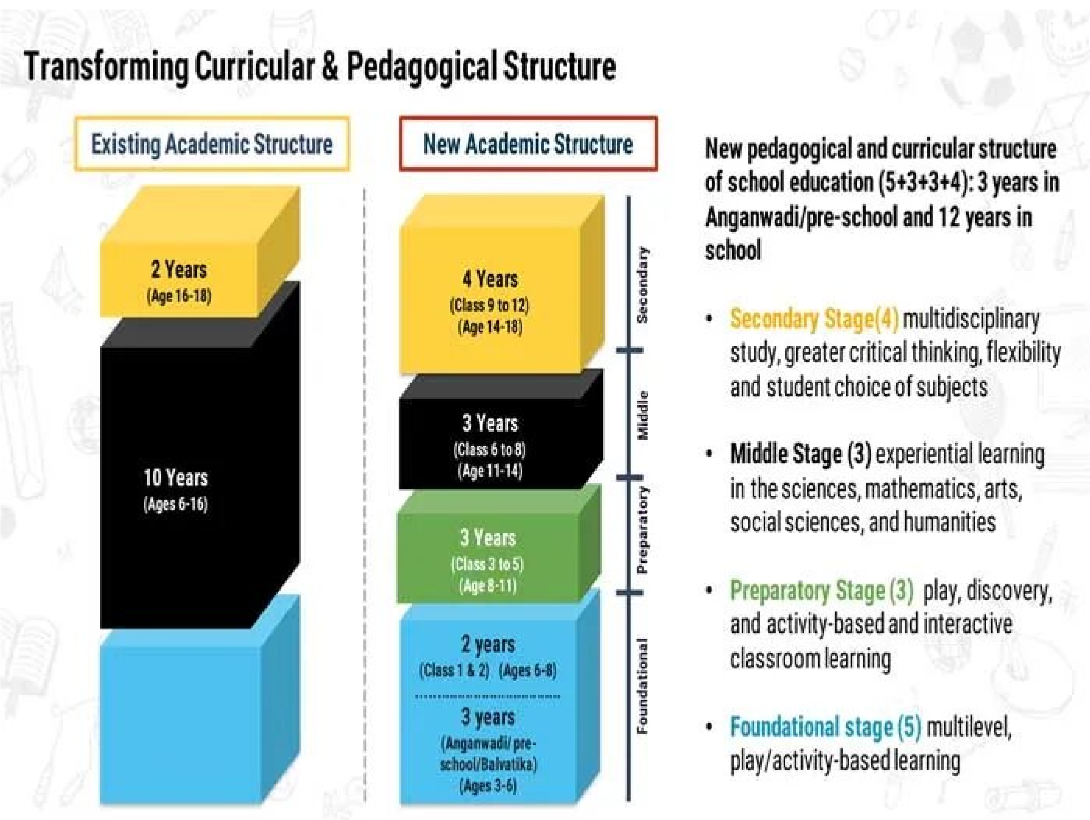

//

शैक्षिक सुधारों से संबंधित अन्य सरकारी पहलें:

- प्रौद्योगिकी वर्द्धन शिक्षा पर राष्ट्रीय कार्यक्रम (NPTEL)
- सर्व शिक्षा अभियान (SSA)
- प्रज्ञाता (PRAGYATA)
- मध्याह्न भोजन योजना
- बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ
- पीएम श्री स्कूल (PM SHRI Schools)

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, पिछले वर्ष के प्रश्न

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2018)

1. शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम के अनुसार, राज्य में शिक्षक के रूप में नियुक्ति हेतु पात्र होने के लिये व्यक्ति को संबंधित राज्य शिक्षक

शिक्षा परिषद द्वारा निर्धारित न्यूनतम योग्यता रखने की आवश्यकता होगी।
2. RTE अधिनियम के अनुसार, प्राथमिक कक्षाओं को पढ़ाने के लिये एक उम्मीदवार को राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद के दिशा-निर्देशों के अनुसार आयोजित शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना आवश्यक है।
3. भारत में 90% से अधिक शिक्षा संस्थान सीधे राज्य सरकारों के अधीन हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) केवल 1 और 3
(d) केवल 3

उत्तर: (b)

प्रश्न: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 सतत् विकास लक्ष्य-4 (वर्ष 2030) के अनुरूप है। यह भारत में शिक्षा प्रणाली के पुनर्गठन और पुनर्रचना का इरादा रखती है। कथन का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (मुख्य परीक्षा- 2020)

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/national-curriculum-framework-for-foundational-stage